'आज राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे'

फिर मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने सचिन पायलट का नाम लिए बगैर सरकार पर हमला बोला

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एक बार फिर नाम लिए बगैर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर ना केवल पलटवार किया है। बल्कि रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए है। किसान सम्मेलन के जरिए प्रदेश के दौरे पर निकले सचिन पायलट ने बुधवार को झुंझुनूं के गुडा गांव में किसानों को संबोधित किया।

गुडा गांव में किसान सम्मेलन में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को उदयपुरवाटी विधायक व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने हल भेंट किया।

- कौनसी जादुगरी से निकले तिजोरी से पेपर, इसलिए जिम्मेदारी तो सरकार को तय करनी पड़ेगी : पायलट
- सचिन पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए
- सचिन पायलट ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए संघर्ष करूंगा

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने का दुख सभी को है। उनकी सरकार पेपर लीक मामले में कार्रवाई कर रही है। उसका स्वागत है। लेकिन कहा जा रहा है कि इन पेपर लीक में कोई भी नेता या फिर अधिकारी शामिल नहीं है। तो वो समझ से परे है। उन्होंने कहा कि पेपर तिजोरी में रखे जाते हैं। अब सरकार को जिम्मेदारी तय करते हुए यह बताना चाहिए कि ऐसी कौनसी जादुगरी है जो बिना नेता और अधिकारियों की शह के पेपर बच्चों तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा लगातार पेपर लीक से सभी दुखी है। इसलिए हमें जिम्मेदारी तय करते हुए सभी लोगों को बेनकाब करना होगा। पायलट यहीं नहीं रूके। इस बार पायलट ने रिटायर होने वाले अधिकारियों को मिल रही राजनैतिक नियुक्तियों पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को बने हुए चार साल हो गए हैं। कई कार्यकर्ताओं को नियुक्तियां मिली है। लेकिन अधिकारियों को राजनैतिक नियुक्तियां मिल रही है। जिसका अनुपात सही नहीं है। जो अधिकारी शाम पांच बजे रिटायर होते हैं। उन्हें रात 12 बजे तक राजनैतिक नियुक्तियां दे दी जाती है। जबकि जिस कार्यकर्ता और नेता के खून पसीने से सरकार सत्ता में आई है। पहला मौका उन्हें दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए पहले भी संघर्ष करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे।

इस मौके पर उन्होंने किसानों की और युवाओं की बात रखते हुए केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। मंच पर इस सम्मेलन के संयोजक मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा समेत परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला, वन मंत्री हेमाराम चौधरी, व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, एसी आयोग अध्यक्ष खिलाडीलाल बैरवा, चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, विराट नगर विधायक इंद्राज गुर्जर, लाडनू विधायक मुकेश भाकर, श्रीमाधोपुर विधायक दीपेंद्र सिंह के पुत्र बालेंदू सिंह शेखावत, दातारामगढ विधायक वीरेंद्र चौधरी, खेतडी के पूर्व विधायक हजारीलाल गुर्जर तथा उदयपुरवाटी चेयरमैन रामनिवास सैनी समेत अन्य नेता मंच पर मौजूद थे। इससे पहले पायलट हैलिकॉप्टर से गुडा गांव में पहुंचे और फिर झुंझुनूं के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजेंद्र सिंह गुढा का हमला:- गुडा गांव में सचिन पायलट के किसान सम्मेलन में कांग्रेस के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि 200 में से 21 नंबर लाने वाला तो सफल और 21 से 100 संख्या पहुंचाने वाला निकम्मा और नकारा। गुढा ने सभा को संबोधित करते हुए सचिन पायलट की तुलना राम और पांडवों से भी कर डाली। उन्होंने कहा कि राम का जब राजतिलक होना था। तब उन्हें बनवास मिला। 14 साल के बनवास के कारण आज भी हिंदुस्तान के दिल में राम बसे है। द्रोपदी का चीरहरण हुआ तो पूरा हिंदुस्तान बोला कि पांडवों के साथ अन्याय हुआ है। लेकिन जिसके साथ भी अन्याय होता है।

ये जनता उसे अपने दिलों में बसा लेती है और अपना पूरा समर्थन देती है। जिसने 200 में से 21 नंबर लाकर कांग्रेस को सत्ता से बाहर करवाया उसे कांग्रेस ने सफल माना। और जिसने कांग्रेस को 21 नंबर से 100 नंबर तक पहुंचाया। उसे निकम्मा और नकारा बताया जा रहा है। यही सचिन पायलट के साथ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरे राजस्थान की जनता के दिल में बस एक ही सवाल है कि पायलट साहब मुख्यमंत्री कब बनेंगे।

घूसखोर एएसपी दिव्या के मोबाइलों की आनासागर में तलाश की

एसडीआरएफ़ को आनासागर में मोबाइल हाथ नहीं लगे

अजमेर, (कासं)। एसओजी की घुसखोर एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को एसीबी कि कार्यवाही की भनक एक दिन पहले ही लग गई थी, इसलिए दिव्या मित्तल ने अपने 2 मोबाइल फ़ोन अजमेर की आनासागर झील में फेंक दिए, रिमांड के दौरान जब एसीबी ने दिव्या मित्तल से पूछताछ की तो उसने मोबाइल आनासागर झील में फेंकना कबूल किया।

घूसखोर एएसपी को आनासागर झील पर लेकर पहुंची एसीबी टीम।

- एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची
- एक दिन पहले ही दिव्या मित्तल ने दो मोबाइलव अन्य सामान आनासागर में फेंकना कबूला था

बुधवार को जयपुर एसीबी की टीम मोबाइल बरामदगी के लिए दिव्या मित्तल को लेकर अजमेर पहुंची, बताया जा रहा है कि रविवार रात जब दिव्या मित्तल ने अपना मोबाइल आनासागर में फैंका उस समय वह अपनी सरकारी गाड़ी में थी, इसलिए सरकारी गाड़ी के ड्राईवर बहादुर सिंह को भी मौके पर बुलाया गया, झील का पानी गहरा होने के कारण एसीबी ने एसडीआरफ की मदद ली। एसडीआरएफ के दस जवानों ने करीब तीन घंटे तक आनासागर में मोबाइल की तलाश की लेकिन मोबाइल हाथ नहीं लगा। अंधेरा होने के चलते सर्च अभियान को रोका, बताया जा रहा कि गुरूवार को एक बार फिर एसीबी एसडीआरएफ़ की मदद से सर्च कर सकती है, इस दौरान दिव्या मित्तल एसीबी की हिरासत में कार में ही बैठी रही।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 10 बजे दिव्या मित्तल अपने आरजी स्थित फ्लैट से अपनी सरकारी गाडी में ब्यावर के लिए निकली और उसने ड्राईवर बहादुर को गाडी आनासागर के करीब से ले जाने के लिए कहा। दिव्या मित्तल ने आनासागर के करीब आकर गाडी से उतर गई। ड्राईवर ने एसीबी को बताया कि दिव्या मित्तल ने कुछ सामान आनासागर में फेंका। दो दिन में दिव्या कि रिमांड अवधि भी समाप्त हो रही है यदि इन दो दिनों में दिव्या का मोबाइल नहीं मिला तो एसीबी का केस कमजोर पड़ने के भी आसार है। मई 2021 में अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी थी, इसमें जयपुर में साढ़े पांच करोड़ और अजमेर में 11 करोड़ की दवाओं के साथ आरोपी पकड़े गए थे, इसी मामले से नाम हटाने के एवज में एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल पर रिश्वत मांगने का आरोप है, परिवादी ने 4 जनवरी को एसीबी से संपर्क किया था।

पेपर लीक मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने पेपर लीक मामले में पेपर उपलब्ध कराने एवं वाहन सुविधा उपलब्ध कराने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 24 दिसंबर सवेरे राज्य लोकसेवा आयोज द्वारा आयोजित की जाने वाली द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा के सामान्य ज्ञान प्रश्नप्रत्र पत्र पेपर लीक के मामे में सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित होटल हिमांशी में ठहरे छात्रों को गिरफ्तार कर उनसे की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर 17 जनवरी को छात्रों को पेपर उपलब्ध कराने वाले रिडियाघेरा पोस्ट हेमागुडा जालौर निवासी सुरेश विश्नोई पुत्र जगदीशराम विश्नोई तथा वाहन उपलब्ध कराने वाले पीराराम पुत्र रघुनथाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर 8 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

देश-दुनिया में सिख समाज का महत्वपूर्ण योगदान : पायलट

हनुमानगढ़, (कासं)। हनुमानगढ़ जिले के दौरे पर आये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार सुबह टाउन स्थित ऐतिहासिक गुरूद्वारा शहीद बाबा सुक्खा सिंह बाबा महताब सिंह में मत्था टेका और क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और अमन-चैन की कामना की।

गुरूद्वारा साहिब में सरोपा भेंट कर पायलट का सम्मान किया गया। इससे पहले सचिन पायलट का पंचायत समिति के पूर्व प्रधान जयदेव भिड़ासरा के निवास पर कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बंद पड़ी स्पिनिंग मिल को शुरू करवाने, डीएपी-यूरिया खाद की किल्लत सहित किसानों की अन्य समस्याओं से पायलट को अवगत कराया और समाधान की मांग की।

गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेकने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बताया कि वे झुंझुनूं में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। गुरूवार को पाली का दौरा करेंगे। पाली में भी किसान और आदिवासी सम्मेलन में शामिल होंगे। स्कूलों में पंजाबी सब्जेक्ट के पद रिक्त होने पर उन्होंने कहा कि जो-जो पद खाली पड़े हैं, वे भरे जाने चाहिए। सिख समाज की संस्कृति और इतिहास को और प्रोत्साहित करने के लिए भी यह आवश्यक है। पायलट ने कहा कि इस दुनिया और देश में सिख समाज के योगदान का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। जब भी मुश्किल घड़ी आती है तो सबसे पहले सिख समाज आगे आकर बढ़-चढ़कर सेवा करता है। सिख समाज में सेवा का जितना भाव है, वह शायद ही किसी अन्य धर्म में हो। इसके बाद सचिन पायलट जंक्शन में जिला परिषद कार्यालय के पीछे बनाये गए हेलीपेड पर पहुंचे। यहां से उन्होंने हेलीकॉप्टर में सवार होकर झुंझुनूं के लिए उड़ान भरी।

जेईई-मेन 2023-एनटीए ने परीक्षा की तिथियां, परीक्षा केन्द्र जारी किये

कई विद्यार्थियों को चारों विकल्प में से भी परीक्षा शहर नहीं मिला

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी सेशन के परीक्षा शहर एवं परीक्षा की तिथियां बुधवार को जारी कर दी गई। विद्यार्थियों को इसकी सूचना मिलने के साथ ही असमंजस की स्थितियां भी सामने आई। वहीं अब एडमिट कार्ड का इंतजार शुरू हो गया है, एक-दो दिन में एडमिट कार्ड रिलीज हो जाएंगे। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

- बीई-बीटेक 24, 25, 29, 30, 31 जनवरी तथा 1 फरवरी को
- जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए 9.15 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया है

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जनवरी परीक्षा जो कि पूर्व में 24 से 31 जनवरी के मध्य आयोजित की जानी थी। परीक्षा तिथियां जारी होने के पश्चात अब जेईई-मेन परीक्षा 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य संपन्न होगी, यानी परीक्षा के लिए एक दिन अतिरिक्त कर दिया गया है। जेईई-मेन जनवरी परीक्षा में 24, 25, 29, 30 व 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को बीई-बीटेक के लिए परीक्षा होगी। वहीं 28 जनवरी को बीआर्क के लिए परीक्षा होगी। परीक्षा अभी भी 7 दिवस में ही संपन्न होगी। पूर्व में जारी किए गए कार्यक्रम में 26 जनवरी को परीक्षा नहीं होनी थी। अब जारी किए गए कार्यक्रम में 26 व 27 जनवरी को परीक्षा नहीं होगी। इसके बदले 1 फरवरी तक परीक्षा होगी।

आहूजा ने बताया कि परीक्षा तिथियों के साथ-साथ परीक्षा शहर भी जारी किए गए हैं। परीक्षा शहरों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के परीक्षा शहर उनके आवेदन के दौरान भरे हुए चारों परीक्षा केन्द्रों के विकल्पों के अतिरिक्त परीक्षा शहर आवंटित किए गए हैं। ऐसे में ये विद्यार्थी बड़े असमंजस में दिखाई दे रहे हैं, कि इतने कम समय में वे उस परीक्षा शहर के अनुरूप आने-जाने की व्यवस्था कैसे करेंगे, जबकि पूर्व में ही विद्यार्थी अपने आवेदन के दौरान भरे हुए परीक्षा केन्द्र के अनुरूप आने-जाने के लिए मन बना चुके थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपने पहले और दूसरे परीक्षा शहर के विकल्प के अनुरूप व्यवस्था तक कर चुके थे। विद्यार्थियों को अब अपने ओरिजनल आईडी प्रुफ, फोटोग्राफ को व्यवस्थित कर लेना चाहिए, क्योंकि परीक्षा केन्द्र में उन्हें अपने साथ मूल प्रमाण पत्रों को ले जाना होगा। विद्यार्थी जेईई-मेन की वेबसाइट पर दिए गए लॉगइन पर जाकर अपना एप्लीकेशन नम्बर एवं जन्म दिनांक की जानकारी भरकर एनटीए द्वारा जारी की गई इस सूचना को प्राप्त कर सकते हैं।

लोगों ने कलेक्टर से मिलकर बताई समस्या

लोगों ने कहा कि घर गिरा देंगे तो रहेंगे कहां

पाली, (निसं)। पाली विधायक ज्ञानचंद पारख के नेतृत्व में सैकड़ों लोग बुधवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता से मिले। अपनी व्यथा सुनाते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम उन्हें ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है। लाखों रुपए खर्च कर उन्होंने मकान बनाए हैं। उन्हें गिरा दिया जाएगा तो वे कहां रहेंगे। उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हो जाएगा। प्रशासन को चाहिए की मकानों में दरारें क्यों आ रही हैं इसकी जांच करवाए और उनके मकान जो बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहे हैं उन्हें फिर से दुरुस्त करवाने के लिए मुआवजा दिलवाएं।

ज्ञापन सौंपते समय क्षेत्र के रमेश परिहार, दिनेश देवड़ा, प्रवीण, शारदा देवी, पारस भाटी, नगर परिषद के पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, पार्षद राधेश्याम चौहान, विकास बुबकिया, अशोक बाफना सहित बड़ी संख्या में पीड़ित लोग मौजूद रहे। बाहर से एक्सपर्ट की टीम बुलाकर मकानों में आ रही दरारों की जांच करवाई जाए, मोहल्ले से गुजर रही पाइप लाइन की जांच करवाई जाए, जो मकान गिराए जाने वाले हैं उन लोगों के रहने की व्यवस्था सरकार करे, जिन मकानों को गिराया जाना है उन परिवारों को सरकार मुआवजा दे, जिस विभाग की लापरवाही से मकानों में दरारें आ रही हैं। उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

- एसडीएम ने छह मकान गिराने का आदेश जारी किया है
- टीम से मकानों में आ रही दरारों की जांच की मांग की

जानकारी के अनुसार 16 जनवरी को एक आदेश जारी कि एसडीएम पाली ने शाह का चौक, भैरूघाट स्थित रमेश परिहार, दयाशंकर, ओमप्रकाश, जगदीश घांची, नरेन्द्र कोठारी के मकान गिराने की कार्रवाई के आदेश दिए।

ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी पुलिस थाने को मुखबीर की सूचना पर जुईतलाई में एक ट्रक से 47 क्विंटल 500 ग्राम राशन का गेहूं परिवहन करते हुए जब्त किया। पुलिस को तफ्तीश के दौरान ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग गया। ट्रक में सरकारी राशन का गेहूं मिलने पर इसकी सूचना जिला रसद विभाग को दी। जिस पर जिला रसद अधिकारी विपिन जैन, प्रवर्तन निरीक्षक पुष्पेंद्रसिंह, इस्पेक्टर बजरंग मेघवाल के मार्गदर्शन में जब्त ट्रक के रुट के आधार पर नजदीक के राशन डीलर गडाजसराजपुर के वहां निरीक्षण किया। जिस पर गडा जसराजपुर राशन डीलर गौतम बरंडा के स्टॉक का सत्यापन किया। जिसमें पोश मशीन में ऑनलाइन एंट्री के तहत कुल 107 क्विंटल 42 किलो गेहूं स्टॉक में उपलब्ध होना बताया।

इसी के आधार पर गोदाम का निरीक्षण करने पर 26 क्विंटल 5 किलो गेहूं मिला। मौके से 81 क्विंटल 37 किलो गेहूं गायब था। वहीं ट्रक में जब्त 47 क्विंटल 500 ग्राम गेहूं के अलावा 34.32 क्विंटल गेहूं का कोई हिसाब नहीं था। जिस पर राशन डीलर गौतम बरंडा को निलंबित कर दिया गया है। वहीं ट्रक को जब्त कर चितरी थाने में रखा गया है। ट्रक मालिक परेश अमरजी पाटीदार उदैया का निवासी है। उसकी ओर से सरकारी राशन का गेहूं के परिवहन का जवाब लेने के बाद अग्रीम कार्रवाई की जाएगी।

'स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की तत्काल व्यवस्था करें'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश राजेंद्र प्रकाश सोनी ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें कि वे राजस्थान राज्य में स्थायी लोक अदालतों को कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए तुरंत प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए हैं कि याचिका का जवाब पक्के तौर पर आगामी पेशी 14 फरवरी तक पेश करें।

- उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि वे संबंधित राज्य के अधिकारियों को निर्देश दें
- भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जवाब पक्के तौर पर पेश करें

एडवोकेट वासुदेव दाधीच की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार के विधि विभाग ने 26 अप्रैल 2016 को स्थाई लोक अदालत में एक-एक रीडर और आशुलिपिक, द्वितीय श्रेणी के 3 लिपिक और 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद स्वीकृत किए थे। इसके बावजूद राज्य के स्थाई लोक अदालत में समुचित स्टाफ की नियुक्तियां नहीं की गई है। इससे न्यायिक कार्रवाई में दिक्कत और परेशानियां हो रही है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि उन्हें सरकार की ओर से सूचित किया गया कि स्थाई लोक अदालत में स्टाफ के पद सृजित नहीं है।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया राज्य सरकार का कथन विश्वनीय प्रतीत नहीं हो रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने 26 अप्रेल 2016 को स्टाफ के विभिन्न पद स्वीकृत कर विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित किए थे और उनके द्वारा नियुक्तियां की जानी थी। उन्होंने भारत सरकार को निर्देश दिए कि आगामी पेशी तक जनहित याचिका का जवाब पक्के तौर पर पेश करें।

बुजुर्ग महिला घर में मृत मिली

बस्सी, (निसं)। राजधानी के तूंगा थाना इलाके में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम दनाऊ कलां में एक 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला जो कि मकान में अकेले रहती थी। मंगलवार रात को उस महिला ने सोते वक्त सिगड़ी जली हुई छोड़ दी जो महिला को भारी तब पड़ा गया सुबह होते-होते उसका पूरा शरीर राख में तब्दील हो गया, केवल हड्डियों के कंकाल बचे। इस पूरी घटना का खुलासा तब हुआ, जब रोज की तरह गांव का ही व्यक्ति उस लावारिस महिला को सुबह खाना देने उस मकान में पहुंचा। जब वह अंदर गया तो उसे सिर्फ और सिर्फ जली हुई राख में उसकी बॉडी के कंकाल दिखाई दिए।

इस पर खाना देने गये व्यक्ति ने अन्य ग्रामीणों को सूचना दी और मौके पर पहुंची तूंगा थाना पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम करवाकर ग्रामीणों की सहायता से उसका दाह संस्कार करवा दिया। तूंगा थाना इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि बुजुर्ग महिला संभवत: सिगडी को जलते छोड़ सो गई होगी और इसी दौरान सिगड़ी की चिंगारी पलंग या महिला के कपड़ों तक पहुंच गई होगी। जिससे वह पूरी तरह इसकी चपेट में आ गई होगी। मृतक महिला की पहचान कौशल्या देवी पत्नी कल्याण सहाय शर्मा उम्र 95 वर्ष के रूप में हुई है।

ठगी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नकली सोने को गढ़ा हुआ धन बताकर ठगी की थी

लालसोट, (निसं)। नकली सोने को खुदाई में गढ़ा हुआ धन मिलना बताकर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले लक्ष्मण पुत्र हीरालाल बागरी निवासी भीमपुरा एवं नारू राम पुत्र नवाजी राम बागरी निवासी बड़ा थाना राम सिंह जिला जालौर दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

थानाधिकारी नाथू लाल मीणा ने बताया कि जमवारामगढ़ तहसील क्षेत्र के रहने वाले सीताराम शर्मा ने थाने में प्राथमिकी देते हुए बताया कि दो युवकों द्वारा उनके पास पहुंच कर उनको खुदाई में गढ़ा हुआ पुराना सोने का धन मिलने की बात कहते हुए उस सोने के आभूषण के बेचान करने की बात कही गई। जहां उस सोने के आभूषण की कीमत उनके द्वारा पीड़ित सीताराम को दस लाख बताई गई। इस पर पीड़ित द्वारा इतना पैसा नहीं होने की बात कहने पर शातिर बदमाशों द्वारा जितना पैसा दे उतना सोने के आभूषण में से सामान काटकर देने की सहमति जताई।

जहां पीड़ित सीताराम को शातिरों द्वारा पहले तो बस्सी चक बुलाया गया इसके बाद जगह बदल कर दूसरा बस स्टैंड पर मिलने की बात कही गई एवं बस स्टैंड दोसा पहुंचने पर पीड़ित को लालसोट बुला लिया गया। इसके बाद शातिर बदमाशों ने पीड़ित से दो लाख रुपए लेकर उस सोने के आभूषण में से उस कीमत के बराबर सोने का आभूषण काट कर दे दिया गया। वही पीड़ित को जगह बदलने पर सख्त होने के बाद उस सोने के आभूषण से लिए गए टुकड़े की जांच कराने पर वह सोने का आभूषण नकली पाया गया जहां पीड़ित के होश फाख्ता हो गए।

लालसोट में पुलिस ने ठगी करने के आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

- दो लाख की ठगी की वारदात को दिया था अंजाम

इसके बाद पीड़ित द्वारा आपबीती बताने एवं प्राथमिक देने के बाद दर्ज मुकदमे के आधार पर पीड़ित से पूछताछ करने के बाद ठगों द्वारा ठगी का शिकार बनाने के दौरान उपयोग में लिए गए मोबाइल नंबरों के आधार पर ठगों की शिनाख्त की गई। वहीं पुलिस द्वारा उसी साथी राणा अंदाज में आसूचना संकलन एवं साइबर सेल की मदद से तकनीकी अनुसंधान करते हुए ठगी के दोनों आरोपियों को लालसोट के निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि ठगी के आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायालय से आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है एवं पूर्वी ठगी की वारदात खुलने की आशंका बनी हुई है।